जल आवर्धन प्लांट के हैंड ओवर में निगम प्रशासन की लापरवाही

न्यायसाक्षी/रायगढ़।

बहुप्रतिक्षित जल आवर्धन योजना तहत साल भर पूर्व पूरी क्षमता से काम शुरू कर चुका है। इसके लिए बनाई गई सभी पांच टंकियों से शहर में पेयजल की आपूर्ति सुचारू रूप से शुरू हो चुकी है। पीएचई विभाग छह माह की टेस्टिंग प्रक्रिया पूरी के बाद निगम को हैंड ओवर में लेने कई पत्र लिख चुका है, लेकिन निगम यहां होने वाले भरकम खर्च से बचने अब तक हैंड ओवर में लेने से कतरा रहा है। ऐसी स्थिति में पीएचई को ही फिल्टर प्लांट के टेक्निकल मेंटेनेंस का काम देखना पड़ रहा है।

निगम क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के लिए करीब 36 करोड़ की लागत से जल आवर्धन योजना तहत फिल्टर प्लांट व टंकियां तैयार की गई है। फिल्टर प्लांट पूरी क्षमता से काम शुरू भी कर दिया है, व टंकियों से पानी की आपूर्ति सुचारू तरीके से लोगों को मिलने लगी है। जल आवर्धन योजना निर्धारित समय से

करीब 3 साल बाद शुरू हुई, जिससे इसकी लागत भी बड़ी। लेकिन अब प्लांट अपनी पूरी क्षमता से काम शुरू कर दिया है। पीएचई को आरंभ में 6 माह चलाकर टेस्टिंग लेकर निगम के कर्मचारियों को तकनीकी प्रशिक्षित देना था। लेकिन निगम के पास इसके लिए दक्ष तकनीकी कर्मचारी नहीं है। वहीं पीएचई अब प्लांट को लेकर अपना हाथ खींच सकता है। हालांकि अब तक पीएचई द्वारा प्लांट की तकनीकी काम को देख रहा है। पीएचई अधिकारियों की मानें तो निगम को कई पत्र लिखकर हैंड ओवर लेने कहा जा चुका है। लेकिन निगम से अब तक कोई जवाब नहीं आया है। जिससे पीएचई पेशोपेश में पड़ा है। फिल्टर प्लांट से प्रतिदिन 17 मिलियन लीटर पानी शुद्धिकरण करने की क्षमता है जो पूरी क्षमता से काम कर रहा है।

सभी दिशाओं में टंकी

जल आवर्धन योजना के तहत शहर के चारों ओर विशाल टंकियों का निर्माण कराया गया है। जिसमें जूटमिल क्षेत्र, कोतरा रोड, सर्किट हाउस व पुलिस लाइन के पास 20 लाख लीटर की क्षमता एवं चक्रधर नगर क्षेत्र में 10 लाख लीटर की टंकी से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। विदित हो कि अक्टूबर 2015 से प्लांट ने काम करना शुरू कर दिया, लेकिन जूटमिल व कोतरा रोड की टंकी पूरी नहीं होने से क्षेत्र में पेयजल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो रही थी। लेकिन अब इन टंकियों से भी पानी की आपूर्ति शुरू हो गई है।

निगम को करना है संचालन

दरअसल जल आवर्धन योजना को मूर्त रूप देने का काम पीएचई विभाग का था, लेकिन इसके संचालन की जिम्मेदारी निगम की थी। लेकिन कभी कर्मचारियों के अभाव तो कभी तकनीकी कर्मचारियों का रोना रोते हुए निगम अब तक इसे हैंड ओवर नहीं लिया है। जानकारों की मानें तो यही स्थिति रही तो जल आवर्धन योजना के तहत बने फिल्टर प्लांट में कभी भी बड़ी तकनीकी दिक्कत आ जाने से शहरवासियों को पेयजल की भीषण समस्या से सामना करना पड़ सकता है।

मेन पॉवर की हो सकती है पूर्ति

मामले को लेकर पीएचई का कहना है कि निगम बिना वजह जल आवर्धन योजना तहत टंकियों से पानी की आपूर्ति शुरू होने के बाद भी शहर के विभिन्न मोहल्लों के कई बोर पंप संचालित कर रही है। यहां उनके कई कर्मचारी है जो सेवाएं दे रहे है। निगम यदि इन बोर पंप को बंद कर इन कर्मचारियों को फिल्टर में प्लांट में प्रशिक्षण देकर काम ले तो मेन पावर की समस्या से निजात पाई जा सकती है। मिली जानकारी के अनुसार फिल्टर प्लांट में चार शिफ्टों में काम करने के लिए कर्मचारियों की जरूरत है। एक शिफ्ट में 4-4 कर्मचारियों की जरूरत है। जिसमें एक तकनीकी कर्मचारी एक इलेक्ट्रीशियन व दो मैकेनिक स्तर के कर्मचारी जो मशीनरी संचालक की गतिविधियों पर नजर रख सकें।

लाइसेंस फीस जमा करने में ठेकेदारों का छूट रहा पसीना

जिले में करीब 32 समूह में संचालित शराब दुकान

न्यायसाक्षी/रायगढ़।

जिले के 32 समूह में संचालित 41 देसी व 18 विदेशी शराब दुकान संचालित है। जिसमें 3 समूह के 6 दुकानों को आबकारी विभाग चला रहा है। ऐसे में बाकी दुकानों का लाइसेंस फीस ठेकेदार द्वारा जमा नहीं किया गया। बताया जा रहा है कि दो माह का करीब 6 करोड़ रुपए बकाया है। ऐसे में तीसरा माह शुरू हो गया है। रकम जमा नहीं करने से विभाग को परेशानी का सामना पड़ रहा है।

नोटबंदी व उद्योगों के बंद होने का मार शराब दुकानों पर पड़ा है। जिसके कारण ठेकेदारों द्वारा लाइसेंस फीस जमा करने में दिक्कत हो रही है।वहीं ठेकेदारों द्वारा लाइसेंस फीस जमा नहीं करने से विभाग को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है।विभाग का कहना है कि जिले में 32 समूह है। जिसमें 3 समूह के 2 विदेशी व 4 देसी दुकान को आबकारी विभाग संचालन कर रहा है। वहीं शेष 29 समूह को 7 ठेकेदार द्वारा चलाया जा रहा है। जिसमें 41 देसी व 18 विदेशी दुकान है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2016-17 में जिले को करीब 166 करोड़ का राजस्व का लक्ष्य मिला है। ठेकेदारों द्वारा लाईसेंस फीस जमा नहीं कर रहे है। बताया जा रहा है कि नवम्बर माह को 99 लाख 60 हजार 712 रुपए, दिसम्बर माह का 5 करोड़ 58 लाख 58 हजार 337 रुपए जमा नहीं किया है। वहीं अब जनवरी माह शुरू हो गया है। जिसका एक माह में करीब 7 करोड़ रुपए लाइसेंस फीस होता है। ऐसे में पुराने माह के फीस को जमा नहीं किया गया है।

सीएम ने बैठक में जमकर लगाई फटकार

27 दिसम्बर को रायपुर में हुए आबकारी विभाग की बैठक में सीएम डॉ.रमन सिंह ने ठेकेदारों द्वारा दुकान के लाइसेंस फीस बकाया को लेकर जमकर फटकार लगाई है। उनके द्वारा बकाया फीस राशि जल्द से जल्द जमा करने को निर्देश दिया है। ऐसे में आबकारी अधिकारी द्वारा ठेकेदारों पर दबाव डालने से उनके द्वारा दुकान छोड़ने को कहते है। क्योकि दुकान में ब्रिकी नहीं हो रही है।

घाटे में चल रही दुकानें

आबकारी अधिकारी ने बताया कि 2016-17 में जिले को 166 करोड़ का लक्ष्य मिला है। वहीं 32 समूह की दुकान घाटे में चल रही है। ऐसे में जिले को मिले राजस्व की प्राप्ति कैसी होगी। बताया जा रहा है कि कई दुकान तो ढाई लाख से 5 लाख के नुकसान पर चल रहा है। ऐसे में ठेकेदार उन दुकानों को छोड़ने की कगार पर है। ऐसे में लक्ष्य पूरा होना संभव नहीं हे।

बालगृह से पिछले महीने फरार हुए बच्चे, पुलिस को अब दी सूचना

रायपुर। शहर के माना स्थित सरकारी बालगृह से 3 बच्चे पिछले महीने दिसंबर में फरार हो गए थे। घटना के बाद अब 3 जनवरी में पुलिस को इसकी सूचना दी गई। भागे हुए बच्चों की उम्र 11 से 12 वर्ष है। इससे पहले ही बालगृह प्रबंधन इन बच्चों को खोज रहा था, लेकिन जब ये नहीं मिले तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई। यहां से बच्चों के भागने की यह पहली घटना नहीं है, इसके पहले भी ऐसे कई मामले हो चुके हैं। बालगृह प्रशासन द्वारा घटना को सामने न लाने का भी यह पहला मामला नहीं है। 2016 में यहां एक बच्चे की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई थी। लेकिन बालगृह के अधिकारियों ने इसकी सूचना प्रशासन को नहीं दी और उसे दफन करने तैयारी की जा रही थी। बाद में जब पुलिस को इसकी सूचना मिली तो तुरंत बच्चे के शव को कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया गया।

पर्यटन स्थलों पर उमड़ी लोगों की भीड

न्यायसाक्षी/रायगढ़।

भुपदेवपुर में स्थित रामझरना लोक लुभावन दृश्यों से पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। नव वर्ष के बाद से यहां पर भारी संख्या में लोग यहां पहुंचे। मान्यता है कि यहां वनवास के समय प्रभु राम का पदार्पण हुआ था। वर्तमान में यह स्थल जिले में पिकनिक स्पाट के साथ अन्य जिलों व ओडिशा के सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना है।

शहर से लगा रामझरना जिले के दार्र्शनिक स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। यहां हर वर्ष जिले समेत आसपास जांजगीर, बिलासपुर, अंबिकापुर, जशपुर, महासमुंद व ओडिशा के हजारों लोग भ्रमण करते हैं। रामझरना में आगंतुकों को पारिवारिक वातावरण मिलने से यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या लगातार बड़ रही है। करीब डेड़ किलोमीटर के दायरे में बसे रामझरना का आकर्षण मुख्यद्वार से लंबा रास्ता होते हुए घने जंगल में प्राकृतिक रूप से बना जलकुंड जो अनवरत बह रहा है। पौराणिक मान्यता है कि भगवान रामचंद्र वनवास के समय सीता व लक्ष्मण के साथ यहां आए तो सीता को प्यास लगी।

भगवान राम ने बाण से धरती भेदकर सीता की प्यास बुझाई, तब से यहां जलधारा अनवरत बह रही है। बताया जाता है कि यहां का पानी पीने से शरीर के आंतरिक व बाह्य रोग से लोगों को मुक्ति मिलती है। पूरे अंचल में इस प्राकृतिक जलधारा से निकले जल को पवित्र माना जाता है। जल कुंड से निकलने वाला पानी आगे चलकर बड़े जलाशय में समाहित होता है। नववर्ष में इस साल भी दोस्तों, परिवार के साथ यहां जुटे हजारों लोग और नए साल को अपने अपने ढंग से मानते हुए दिखे।

11वीं की किताबों से हट जाएगा छत्तीसगढ़ी पाठ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले सत्र से 11वीं की किताबों से छत्तीसगढी के पाठ गायब हो जाएंगे, क्योंकि सरकार ने एनसीईआरटी की किताबें लागू की हैं। इसमें छत्तीसगढी पाठ्यक्रम शामिल नहीं है। पहले यह तय था कि 11वीं में भाषाओं और कला के विषयों के कुछ पाठों को यथावत रख बाकी जस का तस लिया जाएगा, लेकिन एससीईआरटी ने गणित, विज्ञान, कॉमर्स के साथ कला और भाषा के विषयों को भी जस का तस लागू कर दिया। इसकी वजह राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) का 11वीं-12वी की किताबें न लिख पाना है। एससीईआरटी के संचालक सुधीर कुमार अग्रवाल का तर्क है कि अभी एनसीईआरटी की किताबें लागू करेंगे, बाद में जो दिक्कत होगी देखेंगे। 2017-18 में 11वीं और 2018-19 से 12वीं की नई किताबें लागू कर दी जाएंगी। गौरतलब है कि 2007 के बाद 11वीं-12वीं की किताबें नए सिरे से लिखने में एससीईआरटी फिसड्डी साबित हुआ तो सरकार एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाने जा रही है। एनसीईआरटी की किताबें लागू करने से राज्य में भाषा जैसे हिन्दी, अंग्रेजी और संस्कृत के छत्तीसगढी कवियों की कविताएं बलि चढ जाएंगी। 11वीं में बाघिन अऊ छेरिया और 12वीं में चुरकी-मुरकी की कहानियां पढने को नहीं मिलेगी। कला संकाय में ज्यादातर किताबें छत्तीसगढी कला और संस्कृति पर हैं। इनमें राज्य का इतिहास, पर्यटन स्थल, उनका उद्भव आदि पाठ हैं। लेकिन अफसरों ने एनसीईआरटी के सिलेबस को जस का तस लागू करने के लिए कहा है। एमपी-राजस्थान में स्थानीय तथ्य = मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी एनसीईआरटी की किताबें लागू की गई हैं।

अनिल कुंबले उतरे भोरमदेव के जंगल में वाल्ड लाइफ फोटोग्राफी करने

कवर्धा। यहां का जंगल काफी खूबसूरत है, पहाड़ों के बीच से कटे रास्ते जंगल की खूबसूरती पर चार चांद लगा रहे हैं। अभ्यारण्य में अपार संभावनाएं हैं। मुझे तो ट्रैकिंग पर बहुत मजा आया। भारतीय टीम के मुख्य कोच अनिल कुंबले को कवर्धा का भोरमदेव अभ्यारण्य खूब भाया। कुंबले ने जंगल सफारी के इस सफर का जमकर आनंद लिया। इस दौरान वे रास्तेभर खुद फोटोग्राफी भी करते नजर आए। उन्होंने भोरमदेव अभ्यारण्य में खुली जिप्सी से कुल 25 किलोमीटर का सफर तय किया। बता दें कि श्री कुंबले वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर भी हैं।

दो दिवसीय प्रवास पर कवर्धा पहुंचे भारतीय क्रिकेट टीम के कोच अनिल कुंबले ने मंगलवार को भोरमदेव अभ्यारण्य में जंगल सफारी का लुत्फ उठाया। उनके साथ सांसद अभिषेक सिंह और स्थानीय विधायक अशोक साहू भी मौजूद थे। दोपहर 12.15 बजे कवर्धा के राजानवागांव पहुंचे श्री कुंबले ने यहां स्कूली बच्चों से मुलाकात की।

इसके बाद वे भोरमदेव, बंजारी के रास्ते चिल्फी होते हुए सरोधा दादर पहुंचे। सरोधादादर में कुंबले और श्री सिंह ने कुछ देर आराम किया। दोपहर के भोजन

पश्चात सभी यहां से चिल्फी, झलमला होते हुए जामुनपानी पहुंचे। जामुनपानी चेकपोस्ट पर पहले से ही खुली जिप्सी तैयार थी, जिसमें सवार होकर सभी अभ्यारण्य की सैर के लिए रवाना हुए। जामुनपानी चेकपोस्ट से अनिल कुंबले और अभिषेक सिंह एक नंबर जिप्सी पर सवार होकर महाराजपुर ट्रैक पर निकले। करीब 8 किलोमीटर के इस ट्रैक पर सभी को हिरण के झुंड का दीदार हुआ। इस ट्रैक पर भ्रमण के पश्चात वे प्रतापपुर गेट से दोबारा कोर एरिया में पहुंचे। इस कोर एरिया में बायसन के झुंड नजर आए।

झुंड से दूर काफी देर तक गाड़ी रोककर कुंबले और अन्य अतिथियों ने बायसन की फोटोग्राफी की। प्रतापपुर कोर एरिया में सभी अतिथियों ने करीब 10 किलोमीटर के ट्रैक पर जंगल सफारी का लुत्फ उठाया। इसके पश्चात वे मुडवाही पहुंचे, जहां चाय, नाश्ता की व्यवस्था की गई थी। यहां से वे चेकपोस्ट से वापस जामुनपानी लौट गए।

विकास और बेहतरी पर होगी चर्चा

मुड़वाही में कुछ पल आराम के लिए रूके सांसद ने नईदुनिया से बातचीत के दौरान कहा कि आज यहां भ्रमण के लिए आए हुए थे। भोरमदेव अभ्यारण्य के विकास और बेहतरी के लिए चर्चा की जाएगी। हमारे साथ वाइल्ड लाइफ और वन विभाग के अधिकारी मौजूद हैं, जिनके साथ बैठकर आगे की योजनाएं तैयार की जाएगी।

महिला नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब देंगी लेडी कमांडर

जगदलपुर। नक्सल मोर्चे पर सुरक्षा बल में महिला अधिकारियों की कमी के चलते महिला नक्सल कमांडो से निपटने में पुलिस को परेशानी होती रही है। सीआरपीएफ 80 बटालियन में गोरिल्ला वार ट्रेंड डिप्टी कमांडेंट तैनात की गई हैं। इनकी मौजूदगी में महिला कोया कमांडो की टीम जल्द ही जंगल की ओर कूच करेगी। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को क्षेत्र के अंदरुनी इलाकों में ग्रामीणों से भेंट कर समस्याएं पूछी। बस्तर में तैनात डीआरजी में हांलाकि महिलाएं शामिल हैं लेकिन इनकी संख्या पर्याप्त नहीं है। अधिकारियों के अनुसार मौके से महिला नक्सलियों की गिरफ्तारी, मुठभेड़ तथा कई बार मारी गई महिला नक्सली के शव के पंचनामा की प्रक्रिया में पुलिस को व्यावहारिक दिक्कत का सामना करना पड़ता है। महिला नक्सलियों से सामना होने की स्थिति में पुलिस को आरोप भी झेलने पड़ते हैं। हाल ही में सीआरपीएफ झीरम पोस्ट में गोरिल्ला वार में ट्रेंड महिला आफिसर उषा किरण की पोस्टिंग की गई है। किरण के नेतृत्व में महिला टीम जल्द ही आपरेशन में हिस्सा लेगी। इनके द्वारा गांवों में महिलाओं को जागरूक करने कैम्प भी लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व भी सीआरपीएफ 212 बटालियन में एक महिला प्लाटून भेजी गई थी। इन्हें प्रशिक्षण उपरांत जिला बल, एसटीएफ व डीआरजी के साथ आपरेशन में भेजा जाता रहा है। युद्ध कौशल के जानकारों के अनुसार बस्तर में नक्सल मोर्चे पर पृथक महिला बटालियन की तैनाती पर भी विचार किया गया था पर तकनीकी कारणों से इसे अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका।

लेखक और उनके पुस्तकों के नाम (सामान्य ज्ञान)

1.महात्मा गांधी - कान्क्वेस्ट ऑफ शेल्फर, माई एक्सगपेरीमेंट विद ट्रुथ, हिंद स्वरराज, इंडिया ऑफ माई ड्रीम्स
2.उमा शंकर जोशी - निशीथ
3.मैथिली शरण गुप्ता - साकेत
4.मुंशी प्रेमचंद - रंगभूमि, गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, गबन, कायाकल्पन, प्रेमाश्रय
5.पी.वी नरसिंह राव - द इन्साइडर
6.अटल बिहारी वाजपेयी - राजनीति की रपटीली राहें, संसद के तीन दशक
7.सुभाष चन्द्र बोस - द इंडियन स्ट्ररगल
8.सरोजिनी नायडू - द गोल्डनन थ्रेसहोल्ड़र, द बर्ड ऑफ टाइम, द ब्रोकन विंग, द सांग्सम ऑफ इंडिया
9.आर. के नारायण- मि.संपत, द गाइड़, माई डेज, द वेंडर ऑफ स्वींट्स, द डार्करूम, टैलिस्मैफन, मालगुडी ड़ेज
10.अरूंधती रॉय - द गॉड ऑफ स्मॉिल थिंग्स, एन ऑर्डिनेरी पर्सन्सड गाइड़
11.डॉ राजेन्द्र प्रसाद - इंडिया डिवाइडेड
12.रवीन्द्र नाथ टैगोर - गीताजंली, क्रिसेंट मून, द गार्डनर, चांडालिका, द हंग्रो स्टो न्स, द कोर्ट डांसर, किंग ऑफ डार्क वेबंर, पोस्ट ऑफिस, दरिलिजन ऑफ मैन
13.जवाहर लाल नेहरू - एन ऑटो बायोग्राफी, डिस्कजवरी ऑफ इंडिया, ग्लिम्परसेज ऑफ वर्ल्डह हिस्ट्रीश
14.हरीसेन - इलाहबाद प्रशस्ति
15.वी. डी सावरकर - द इंडियन वार ऑफ इंडिपेन्डेंमस
16.एस राधाकृष्णन - हिंदू व्यूत ऑफ लाइफ
17.अरविंद घोष - न्यू लैम्प्सल फॉर ऑल्डड, लाइफ डिवाइन
18.वी एस कॉमथ - इंडिया ऑफ अवर ड्रीम
19. कुलदीप नैय्यर - इंडिया, द क्रिटिकल इयर्ज, द जजमेंट, इंडिया हाऊस, बियोन्डं द लाइन्सन एन ऑटोबायो ग्राफी
20. तवलीन सिंह - कश्मींर = ए ट्रेजडी ऑफ एरर्स
21.खुशवंत सिंह - ट्रेन टु पाकिस्तादन, ट्रुथ लव एंड ए लिटिल मेलिस
22.डॉ. ए पी जे. अब्दुल कलाम - विंग्स ऑफ फायर (अरूण तिवाड़ी और अब्दुल कलाम), 2020 ङ्क ए विजन फोर द न्यूस मिलेनियम, इग्नााइटेड माइड्स माई जर्नी
23.विष्णु - पंचतंत्र
24.भीष्मु साहनी - तमस
25.पी जी. वुडहाउस - जीव्स
26.भगस्टाू- पोइरोट (जासूसी कहानियां)
27.रस्किन - रस्टी्
28.मैगस्नीसज् - डंडिका
29.कालिदास- मेघदुत, मालविकाग्निमित्र, रघुवमसा कुमार संभवम्, शकुंतला, विक्रम उर्वसी
30.कार्ल मार्क्स् - दास कैपिटल
31.जॉर्ज ओरवैल - नाइन्टीरन एटी फोर
32.कृष्ण देवराय - अमुक्तीमलयादा
33.सलमानरूश्दीण - मिडनाइट चिल्ड्रगन (1981), शेम(1983), द सैटेनिक वर्सेज (1988), मुर्स लास्ट् साइ (1995)
34.भरत मुनि - नाट्य शास्त्रि
35.जयप्रकाशनारायण - व्हाईई सोशलिज्म
36.जेएमकेन्सर-एम्प्लायमेंट,इंट्रेस्टेऐंड मनी
37.जे के राउलिग - हैरी पॉटर
38.जॉन रस्किन - अन्टूै इ लास्टश
39.वराह मिहिर - पंच सिद्धन्तिका
40.भवभूति-उत्तररामचरित, मालती माधव
41.कैथ्रि न मैयो - मदर इंडिया
42.विलियम शेक्सरपीयर - मैकबेथ
43.मनोहर गलगांवकर - दि मैन हू क्लिड गांधी
44.सत्यरजीत राय - माई इयर्स विद अपु
45.मोहन राकेश - आधे अधुरे
46.बंकिम चन्द्र चटर्जी - आनंद मठ
47.तुषार गांधी - लेट्स किल गांधी
48.विशाखादत्त-मुद्राराक्षस,देवी चन्द्रिगुप्तरम्
49.कल्हण - राजतंरगिणी
50.पाणिणी - अष्ठाुध्यीायी
51.कौटिल्यद - अर्थशास्त्रद
52.जयदेव - गीतगोविन्द
53.पंतजली - महाभाष्ठ
54.बाणभट्ट - कादम्ब्री, हर्षचरित्र
55.माद्य - शिशुपालवध
56.जयानक-पृथ्वीलराज विजय, प्रबंध कोष
57. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - अनामिका, गुंजन, परिमल, जूही की कली
58. तुलसीदास - दोहावली, कवितावली, विनय पत्रिका, रामचरित्र मानस
59. मलिक मुहम्माद जायसी - पद्मावत
60. बालगंगाधर तिलक - गीता रहस्यव
61. अनीता देसाई - ऋाई द पिकोक
62. वी. एस नॉयपाल - ए बेंड इन द रिवर
63. विक्रम सेट - टू लाइवज
64. आर. वेकटरमन - माई प्रसिडेसियल ईयर्स
66. एस राधाकृष्णलन- द हिंदु व्यूय ऑफ लाइफ
67. एन सजीव रेड्डी - विदाऊट फियर ओर फेवर
68. नेल्सन् मंडेला - लॉग वाक टू फ्रीडम
69. राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 02 जनवरी 2017 को प्रोफेसर डेविड आर सिम्लिह को संघ लोक सेवा आयोग, का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है।